

— b) *apathisch, träge* AK. 2, 10, 19. H. 384. Vgl. शीतक. — 2) f. °ज्ञा N. eines Flusses VP. 183 (im Index °ज्ञी). — 3) n. N. einer Wasserlilie, *Nymphaea coerulea* (उत्पल), RĀĠAN. im ÇKDa.

अनुज्ञगु (अनुज्ञ + गु = गो) m. (kaltstrahlige) Mond Ind. St. II, 261. — Vgl. शीतगु.

अनुज्ञवल्लिका (अनुज्ञ + वल्लिका) f. N. einer Pflanze, = नीलह्रवा RĀĠAN. im ÇKDa.

अनुष्यर्द्ध (von स्पन्द् mit अनु) m. Hinterrad (eig. nachlaufend) ÇAT. Br. 5, 4, 2, 24.

अनुष्वधम् (von 1. अनु + स्वधा) adv. dem Willen gemäss, freiwillig, von selbst, gern: क्रत्वा मर्ह्यं अनुष्वधं भीम आ वावृधे शवः RV. 1, 81, 4. अनुष्वधमा वंक्तु मादयस्व 2, 3, 11. पिब्या सोममनुष्वधं मदीय 3, 47, 1. अनुष्वधं पवते सोम इन्द्र ते 9, 72, 5.

अनुसंवत्सर (1. अनु + संवत्सर) in Ableit. werden beide Glieder verstärkt (अनुसो°) gaṇa अनुशतिकादि.

अनुसंवर्षण (1. अनु + संवर्षण) id. ibid.

अनुसंसर्प nom. act. von सर्प mit अनु + सम्: मुख्यासनेभ्यो ऽनुसंसर्पमि- तराणि (Sch.: मुख्यस्थानेभ्यो ऽनु सृत्वा सृत्वा परकीयाणि कर्माणि कुर्युः) KĀTJ. ÇA. 24, 4, 46.

अनुसंकितम् (von 1. अनु + संकित्वा) adv. nach der Saṁhitā-Lese- weise (des Veda): श्रैयैके प्राङ्गुरुसंकितं तत्परायणो प्रवचनं प्रशस्तम् RV. PAṬ. 15, 16.

अनुसंचरण (1. अनु + संचरण) v. l. für अनुसंवर्षण gaṇa अनुशतिकादि.

अनुसंधान (von धा mit अनु + सम्) n. 1) Herbeiziehung Z. d. d. m. G. VII, 307, N. 3. — 2) Untersuchung: दुर्गानुसंधाने का नियुष्यताम् Hit. 90, 18. काव्यानुसंधानवलात् KĀVYA-Pr. im ÇKDa. धर्मफलाननुसंधानात् (°फालानु?) SĀH. D. 2, 3. RÖER: through the scrutinizing of the fruits.

अनुसंधेय (wie eben) adj. aufzufassen, anzusehen Sch. zu ÇĀK. 14, 12. 194. 113, 5.

अनुसमापन (vom caus. von आप् mit अनु + सम्) n. Vollendung, Schluss: पूर्ववदनुसमापनम् KĀTJ. ÇA. 24, 6, 47.

अनुसमुद्रम् (von 1. अनु + समुद्र) adv. am Meere P. 4, 3, 10.

अनुसर (von सर् mit अनु) m. Begleiter: अनुसरी राज्ञः Vet. 20, 6.

अनुसरण (wie eben) n. 1) das Nachgehen, Folgen: तदनुसरण SĀH. D. 54, 21. 5, 17. क्रन्दनानुसरणं क्रियताम् Hit. 98, 21. सद्गुणानुसरणे SĀH. D. 54, 21.

— 2) das Suchen: कनकसूत्रानुसरणाप्रवृत्तौ राजपुरुषैः Hit. 68, 13. — 3) Nachahmung, Gemässheit: इन्द्रोः — तदनुसरणाच्छिष्टकास्तेः Megh. 82. तदनुसरणक्रमेण demgemäss Hit. 9, s. 99, 2. — Vgl. अनुसार.

अनुसर्प (1. अनु + सर्प) m. schlangenartiges Geschöpf AV. 2, 24, 4.

अनुसवनम् (von 1. अनु + सवन) adv. अनुसवनमनुसवनम् (mit स und nicht mit ष) ved. gaṇa सवनादि. अनुसवनमेनमालभेरन् (Sch.: = प्रतिस- वनम्) KĀTJ. ÇA. 25, 13, 26. 14, 12. अनुसवनं ब्रह्मा गृह्णातश्च 21.

अनुसामै (von 1. अनु + सामन्) P. 5, 4, 75. Vor. 6, 76.

अनुसाय (1. अनु + साय) gaṇa परिमुखादि.

अनुसार (von सर् mit अनु) m. 1) das Nachgehen, Verfolgen, mit dem subj. oder obj. componirt: व्याधानुसारचकिता कर्षिणिव मण्डू. 9, 21. ततो मार्गानुसारेण गत्वा R. 2, 47, 13. शब्दानुसारेणालोक्य nach der Richtung hin, wo der Laut hergekommen war, ÇĀK. 101, 20. — 2) Gemässheit: म-

कृतानुसारेण nach Art der Grossen Hit. I, 85, v. l. फलं कर्मानुसारतः I, 142. विप्रतत्रियनामानि कुर्याद्भ्रात्रानुसारतः ÇĀK. 14, 12, Sch. लक्ष्यानुसा- रतः AK. 3, 6, 25. तदनुसारे demgemäss, demzufolge PAÑKĀT. 255, 10. — 3)

wonach man sich zu richten hat, Vorschrift: अनुसारादधिका (वृद्धिः) M. 8, 152. धर्मशास्त्रानुसारेण JĀĠAN. 2, 1. — 4) adj. (wenn die Lesart richtig sein sollte) führend (von einem Wege): विलानुसारमार्गमुत्सृज्य PAÑKĀT. 170, 23.

अनुसारक (wie eben) adj. nachfolgend; entsprechend, gemäss. Vgl. कालानुसारक.

अनुसारिन् (wie eben) adj. 1) nachgehend, folgend: तं व्रजतम् — अ- न्वीयुरनुसारिणाः — ब्रह्मवादिनः R. 1, 33, 48. mit dem obj. componirt: मृगा° ÇĀK. 5, 1. 6. शब्दा° PAÑKĀT. 22, 8. गन्धा° 171, 1. वायुमार्गा° R. 5, 53, 22. = 69, 19. शास्त्रमार्गा° ÇUK. 40, 7. कृपणानुसारि च धनम् die Schätze gehen dem Geizhals nach PAÑKĀT. I, 310. बुद्धिर्वेदमन्त्रानुसारिणी — वन- वासानुसारिणी R. 2, 45, 24. — 2) suchend, lauernd auf: स्यान्नित्यं कि- द्रानुसारिरेः M. 7, 102. PAÑKĀT. I, 74. — 3) entsprechend, gemäss zu Werke gehend: यथाशास्त्रानुसारिन् (= शास्त्रानु°) M. 7, 31. Vgl. कालानुसारिन्.

अनुसीत (1. अनु + सीता) und अनुसीर (1. अनु + सीर) gaṇa परिमुखादि.

अनुसू N. eines Werkes P. 4, 2, 60, Vartt. 7. — Von सू mit अनु.

अनुसूया f. N. pr. 1) Atri's Gemahlin RaGh. 12, 27. — 2) eine Freun- din der Çakuntalā ÇĀK. Ch. — Falsche Variante von अनुसूया.

अनुसृति (von सर् mit अनु) f. gaṇa कल्याणयादि v. l. das Nachgehen, Verfolgen: नीतिमार्गानुसृति SĀH. D. 71, 14.

अनुसृष्टि (von सर्ज् mit अनु) f. gaṇa कल्याणयादि.

अनुसेविन् (von सेव् mit अनु) adj. sich ergebend, ühend: क्रूरकर्मानुसे- विनीम् R. 2, 49, 5.

अनुसोमम् (von 1. अनु + सोम) adv. wie beim Soma KĀTJ. ÇA. 10, 9, 29.

अनुस्कन्द (von स्कन्द् mit अनु) m. गेहानुस्कन्दम् adv., गेहं गेहमनु- स्कन्दम्, गेहमनुस्कन्दमनुस्कन्दम् P. 3, 4, 56, Sch.

अनुस्तरण (von स्तर् mit अनु) adj. umstreuend, umlegend; f. °णी (mit oder ohne गो) die beim Tottenopfer geschlachtete Kuh, mit deren Fleischstücken das Feuer umlegt wird: अनुस्तरणया वपामुत्खिष्य शिरो मुखं प्रच्छादयेदग्नेर्वर्म पारि गाभिवर्ययस्व (= RV. 10, 16, 7.) ĀÇV. GRH. 4, 3. अनुस्तरणी गामज्ञां वैकवर्णां कृष्णामेके सव्ये वाकौ बधानुसंकालयति 2. पितृभ्यो वा अनुस्तरणी (SĀH.: सेयं गो स्तूतं दीक्षितमनुस्ततवाङ्घ्रिसितवा- च्चानुस्तरणीत्युच्यते) At. Br. 3, 32. तस्मात्पुरुषाय पुरुषायानुस्तरणी क्रि- यते (SĀH.: वैतरणीन्युत्तारिका गीदीयते) SHADV. Br. in Ind. St. I, 39, 8. KĀTJ. ÇA. 25, 7, 34.

अनुस्तोत्र (1. अनु + स्तोत्र) n. Nachlob, N. einer zum SĀMVEDA ge- rechneten Schrift, Ind. St. I, 43.

अनुस्नेहम् (von 1. अनु + स्नेह्) adv. nach einem Zusatz von Oel: पात्रे तलेन मथीयादनुस्नेहे शनैः शनैः SuÇR. 2, 221, 3.

अनुस्फुरै (von स्फुर् mit अनु) adj. schnellend, schwirrend, vom Pfeil: वृक्षं यद्वाक्: परिषस्वन्नाना अनुस्फुरै शर्मर्चति AV. 1, 2, 3.

अनुस्मरण (von स्मर् mit अनु) n. das Gedenken R. 6, 82, 134.

अनुस्यूत (von स्यूत् mit अनु) adj. (angenehmt, zusammenhängend) an- haltend, vom Lachen H. 298.

अनुज्ञायामन् (3. अ + उज्ञायामन्) adj. nicht bei Tageslicht ausgehend: अर्धं म उज्ञायाम्णो ऽर्धमनुज्ञायाम्णो । बभू यमैष्वसिधो RV. 4, 32, 24.